अंतर्राष्ट्रीय संगठन

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की आवश्यकता और भूमिका

प्रश्न 1 (आसान). अंतर्राष्ट्रीय संगठन देशों के बीच शांति बनाए रखने में कैसे मदद करते हैं?
उत्तर – बातचीत और समझौते का मंच प्रदान करके।

प्रश्न 2 (आसान). क्या अंतर्राष्ट्रीय संगठन किसी एक देश को अपनी बात मानने पर मजबूर कर सकता है?
उत्तर – नहीं, वे देशों की सहमति से काम करते हैं, जबरदस्ती नहीं करते।

प्रश्न 3 (मध्यम). ग्लोबल वार्मिंग जैसी वैश्विक समस्या से निपटने में अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की भूमिका क्यों महत्वपूर्ण है?
उत्तर – क्योंकि ऐसी समस्या का समाधान कोई एक देश अकेला नहीं कर सकता, सभी देशों को मिलकर काम करने की ज़रूरत होती है।

प्रश्न 4 (कठिन). अंतर्राष्ट्रीय संगठन 'मानवता को स्वर्ग पहुँचाने के लिए नहीं बल्कि उसे नरक से बचाने के लिए' बनाए गए हैं - इस कथन का क्या अर्थ है?
उत्तर – इसका अर्थ है कि अंतर्राष्ट्रीय संगठन पूर्ण आदर्श दुनिया नहीं बना सकते, लेकिन वे युद्ध, संघर्ष और बड़ी वैश्विक आपदाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, यानी दुनिया को बहुत बुरी स्थितियों में जाने से बचाते हैं।

» प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संगठन: IMF और विश्व बैंक

प्रश्न 5 (आसान). IMF का पूरा नाम क्या है?
उत्तर – अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (International Monetary Fund)

प्रश्न 6 (आसान). विश्व बैंक मुख्य रूप से किन देशों को मदद देता है?
उत्तर – विकासशील या गरीब देशों को

प्रश्न 7 (मध्यम). IMF और विश्व बैंक में मुख्य अंतर क्या है?
उत्तर – IMF अल्पकालिक आर्थिक स्थिरता पर केंद्रित है, जबकि विश्व बैंक दीर्घकालिक विकास परियोजनाओं पर।

प्रश्न 8 (कठिन). IMF में सदस्य देशों की 'voting power' बराबर क्यों नहीं होती? इसका क्या प्रभाव पड़ता है?
उत्तर – मतों का वज़न देशों के आर्थिक योगदान और जीडीपी पर आधारित होता है। इससे कुछ बड़े और विकसित देशों, खासकर अमेरिका, का प्रभाव ज़्यादा रहता है, जिससे उनके हित ज़्यादा प्राथमिकता पा सकते हैं।

» संयुक्त राष्ट्रसंघ की स्थापना और विकास

प्रश्न 9 (आसान). संयुक्त राष्ट्रसंघ की स्थापना किस वर्ष हुई थी?
उत्तर – 1945 में।

प्रश्न 10 (आसान). संयुक्त राष्ट्रसंघ से पहले कौन सा अंतर्राष्ट्रीय संगठन था जो शांति स्थापित करने में विफल रहा?
उत्तर – लीग ऑफ नेशंस।

प्रश्न 11 (मध्यम). संयुक्त राष्ट्रसंघ की स्थापना का मुख्य उद्देश्य क्या था?
उत्तर – भविष्य में युद्धों को रोकना और दुनिया में शांति व सुरक्षा बनाए रखना।

प्रश्न 12 (कठिन). भारत संयुक्त राष्ट्रसंघ में कब शामिल हुआ और यह किस बात का प्रतीक था?
उत्तर – भारत 30 अक्टूबर 1945 को शामिल हुआ। यह इस बात का प्रतीक था कि भारत भी विश्व शांति और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में विश्वास रखता है, और एक नई वैश्विक व्यवस्था का हिस्सा बनने को तैयार था।

» संयुक्त राष्ट्रसंघ की संरचना और प्रमुख अंग

प्रश्न 13 (आसान). संयुक्त राष्ट्रसंघ के 'Security Council' में कितने 'permanent members' हैं?
उत्तर – पाँच

प्रश्न 14 (आसान). आम सभा में 'each member country' को कितने वोट का अधिकार है?
उत्तर – एक

प्रश्न 15 (मध्यम). कौन सा अंग 'international peace and security' बनाए रखने के लिए ज़िम्मेदार है?
उत्तर – सुरक्षा परिषद् (Security Council)

प्रश्न 16 (कठिन). अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ('International Court of Justice') के जजों का चुनाव कितने साल के लिए होता है?
उत्तर – 9 साल

» संयुक्त राष्ट्रसंघ के महासचिव: भूमिका और योगदान

प्रश्न 17 (आसान). संयुक्त राष्ट्रसंघ के महासचिव का मुख्य पद क्या है?
उत्तर – वह 'Chief Administrative Officer' होते हैं।

प्रश्न 18 (आसान). महासचिव 'mediation' (मध्यस्थता) कैसे करते हैं?
उत्तर – वह देशों के बीच 'dialogue' (बातचीत) और 'negotiation' (समझौता) के माध्यम से विवादों को सुलझाने में मदद करते हैं।

प्रश्न 19 (मध्यम). पूर्व महासचिव बान की मून के एक महत्वपूर्ण योगदान का उल्लेख करें।
उत्तर – बान की मून ने 'climate change' (जलवायु परिवर्तन) और 'sustainable development goals' (सतत विकास लक्ष्यों) को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रश्न 20 (कठिन). संयुक्त राष्ट्रसंघ के महासचिव की भूमिका 'chief diplomat' और 'chief administrative officer' के रूप में कैसे संतुलित होती है?
उत्तर – महासचिव को एक ओर 'administrative duties' (प्रशासनिक कर्तव्यों) को संभालना होता है, जैसे 'overseeing the Secretariat' (सचिवालय की देखरेख करना), वहीं दूसरी ओर उन्हें 'diplomatic efforts' (कूटनीतकि प्रयासों) में भी सक्रयि रहना होता है, जैसे 'mediating peace talks' (शांति वार्ता में मध्यस्थता करना) और 'advocating for human rights' (मानवाधिकारों की वकालत करना)। उन्हें इन दोनों भूमिकाओं के बीच संतुलन बनाना होता है ताकि संगठन सुचारू रूप से चल सके और वैश्विक मुद्दों पर प्रभावी ढंग से काम कर सके।

» शीत युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्रसंघ में सुधार की आवश्यकता

प्रश्न 21 (आसान). शीत युद्ध का अंत किस वर्ष हुआ था?
उत्तर – 1991 में (आमतौर पर सोवियत संघ के विघटन के वर्ष को शीत युद्ध का अंत माना जाता है)

प्रश्न 22 (आसान). शीत युद्ध के बाद कौन सा देश सबसे ज़्यादा शक्तिशाली हो गया था?
उत्तर – अमेरिका

प्रश्न 23 (मध्यम). शीत युद्ध के बाद उभरी कोई दो नई वैश्विक चुनौतियों के नाम बताओ जिनके कारण UN में सुधार की मांग उठी।
उत्तर – आतंकवाद और जलवायु परिवर्तन

प्रश्न 24 (कठिन). सोवियत संघ के विघटन से संयुक्त राष्ट्रसंघ के कार्यप्रणाली पर क्या प्रभाव पड़ा, जिससे सुधार की आवश्यकता महसूस हुई?
उत्तर – सोवियत संघ के विघटन से 'bipolar world' यानी दो-ध्रुवीय विश्व का अंत हो गया और अमेरिका का प्रभुत्व बढ़ गया। इससे सुरक्षा परिषद् में 'veto power' का इस्तेमाल एकतरफा होने लगा और 'representation' यानी प्रतिनिधित्व का मुद्दा भी उठा, क्योंकि UN का ढाँचा शीत युद्ध की दुनिया के हिसाब से बना था, एक ध्रुवीय दुनिया के लिए नहीं।

» सुरक्षा परिषद में सुधार: मानदंड और चुनौतियाँ

प्रश्न 25 (आसान). सुरक्षा परिषद् में सुधार की मुख्य शिकायत क्या है?
उत्तर – सुरक्षा परिषद् अब राजनीतिक वास्तविकताओं का प्रतिनिधित्व नहीं करती।

प्रश्न 26 (आसान). सुरक्षा परिषद् के स्थायी सदस्यों को कौन सा विशेष अधिकार प्राप्त है?
उत्तर – वीटो पावर।

प्रश्न 27 (मध्यम). नए स्थायी सदस्य के लिए सुझाए गए किन्हीं तीन मानदंडों का उल्लेख करें।
उत्तर – बड़ी आर्थिक ताकत, बड़ी सैन्य ताकत, संयुक्त राष्ट्रसंघ के बजट में अधिक योगदान।

प्रश्न 28 (कठिन). वीटो पावर को समाप्त करने के पीछे क्या तर्क दिए जाते हैं और इसके बने रहने के क्या कारण हैं?
उत्तर – वीटो पावर को समाप्त करने का तर्क यह है कि यह लोकतंत्र और संप्रभु राष्ट्रों की समानता के खिलाफ है। इसे बनाए रखने का कारण यह है कि स्थायी सदस्य इसके बिना संयुक्त राष्ट्रसंघ में अपनी रुचि खो सकते हैं, जिससे संगठन अप्रभावी हो जाएगा।

» संयुक्त राष्ट्रसंघ का क्षेत्राधिकार और 2005 के सुधार

प्रश्न 29 (आसान). संयुक्त राष्ट्रसंघ की 60वीं वर्षगाँठ किस वर्ष मनाई गई थी?
उत्तर – 2005

प्रश्न 30 (आसान). 2005 के सुधारों में किस नए आयोग का गठन किया गया?
उत्तर – शांति संस्थापक आयोग

प्रश्न 31 (मध्यम). 'Responsibility to Protect' (R2P) सिद्धांत का क्या अर्थ है?
उत्तर – अगर कोई राष्ट्र अपने नागरिकों को अत्याचारों से बचाने में विफल हो जाए, तो विश्व-बिरादरी इसकी जिम्मेदारी लेगी।

प्रश्न 32 (कठिन). 2005 के सुधारों के तहत न्यासिता परिषद् को समाप्त करने का क्या कारण था?
उत्तर – यह परिषद् दूसरे विश्व युद्ध के बाद उपनिवेशों की मदद के लिए बनाई गई थी, और 2005 तक इसका उद्देश्य पूरा हो चुका था।

» विश्व व्यापार संगठन (WTO) और अंतर्राष्ट्रीय आण्विक ऊर्जा एजेंसी (IAEA)

प्रश्न 33 (आसान). WTO का पूरा नाम क्या है?
उत्तर – World Trade Organization (विश्व व्यापार संगठन)

प्रश्न 34 (आसान). IAEA का मुख्य काम क्या है?
उत्तर – परमाणु ऊर्जा का शांतिपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करना और परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकना।

प्रश्न 35 (मध्यम). WTO में विकासशील देशों को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है?
उत्तर – धनी और शक्तिशाली देशों का प्रभुत्व, जिनके कारण विकासशील देशों के हितों की पूरी तरह से रक्षा नहीं हो पाती।

प्रश्न 36 (कठिन). IAEA परमाणु अप्रसार में कैसे भूमिका निभाता है?
उत्तर – यह सदस्य देशों की परमाणु सुविधाओं का निरीक्षण करता है, परमाणु सामग्री के दुरुपयोग को रोकता है और उन्हें शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए उपयोग करने में मदद करता है।

» संयुक्त राष्ट्रसंघ में सुधार और भारत की दावेदारी

प्रश्न 37 (आसान). भारत संयुक्त राष्ट्रसंघ में किस तरह के बदलाव चाहता है?
उत्तर – भारत चाहता है कि संयुक्त राष्ट्रसंघ मज़बूत बने और विकास को बढ़ावा देने में बड़ी भूमिका निभाए।

प्रश्न 38 (आसान). भारत की सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के दो मुख्य तर्क क्या हैं?
उत्तर – भारत की विशाल आबादी और दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होना।

प्रश्न 39 (मध्यम). सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के सामने आने वाली किन्हीं दो बाधाओं का उल्लेख करें।
उत्तर – भारत के परमाणु हथियार एक चिंता का विषय है, और कुछ देश मानते हैं कि पाकिस्तान के साथ संबंधों के कारण भारत अप्रभावी रहेगा। कुछ अन्य देश अन्य उभरती शक्तियों को भी शामिल करने की बात करते हैं।

प्रश्न 40 (कठिन). आपकी राय में, क्या भारत को संयुक्त राष्ट्रसंघ सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य होना चाहिए? अपने उत्तर के समर्थन में तर्क दें।
उत्तर – हाँ, होना चाहिए। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा आबादी वाला देश है, सबसे बड़ा लोकतंत्र है, एक बड़ी आर्थिक शक्ति है, और संयुक्त राष्ट्रसंघ के शांति अभियानों में सक्रिय योगदान देता है। ये सभी तर्क भारत की स्थायी सदस्यता को मज़बूत बनाते हैं।

» एक-ध्रुवीय विश्व में संयुक्त राष्ट्रसंघ की भूमिका

प्रश्न 41 (आसान). सोवियत संघ के विघटन के बाद दुनिया कैसी हो गई थी?
उत्तर – एक-ध्रुवीय

प्रश्न 42 (आसान). संयुक्त राष्ट्रसंघ के बजट में सबसे ज़्यादा योगदान कौन सा देश करता है?
उत्तर – अमेरिका

प्रश्न 43 (मध्यम). अमेरिका संयुक्त राष्ट्रसंघ के किसी भी प्रस्ताव को कैसे रोक सकता है?
उत्तर – अपने वीटो (निषेधाधिकार) का प्रयोग करके।

प्रश्न 44 (कठिन). भले ही संयुक्त राष्ट्रसंघ अमेरिका पर सीधा अंकुश लगाने में सक्षम नहीं है, फिर भी इसकी भूमिका को महत्वपूर्ण क्यों माना जाता है? दो कारण बताइए।
उत्तर – पहला, यह अमेरिका और शेष विश्व के बीच बातचीत का मंच प्रदान करता है। दूसरा, यह अमेरिकी रवैये और नीतियों पर आलोचना की सुनवाई का मौका देता है, जिससे बीच का रास्ता निकालने की गुंजाइश बनती है।

» मानवाधिकार संगठन: एमनेस्टी इंटरनेशनल और ह्यूमन राइट्स वॉच

प्रश्न 45 (आसान). एमनेस्टी इंटरनेशनल कैसा संगठन है - सरकारी या गैर-सरकारी?
उत्तर – गैर-सरकारी संगठन।

प्रश्न 46 (आसान). ह्यूमन राइट्स वॉच का मुख्य काम क्या है?
उत्तर – मानवाधिकारों की वकालत और अनुसंधान।

प्रश्न 47 (मध्यम). मानवाधिकार संगठनों की क्या ज़रूरत है जब UN जैसी संस्थाएँ भी हैं?
उत्तर – ये संगठन सीधे लोगों से जुड़े होते हैं और सरकारों पर गैर-सरकारी दबाव डालते हैं, जो कई बार UN से ज़्यादा प्रभावी हो सकता है, खासकर जहाँ सरकारें खुद उल्लंघन करती हैं।

प्रश्न 48 (कठिन). एमनेस्टी इंटरनेशनल और ह्यूमन राइट्स वॉच के अभियानों के दो उदाहरण दीजिए।
उत्तर – एमनेस्टी इंटरनेशनल राजनीतिक कैदियों की रिहाई और यातना रोकने के लिए काम करता है। ह्यूमन राइट्स वॉच बारूदी सुरंगों पर रोक लगाने और बाल सैनिकों के प्रयोग को रोकने के लिए अभियान चलाता है।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. मान लीजिए दो पड़ोसी देश 'अ' और 'ब' हैं। देश 'अ' को लगता है कि देश 'ब' उसकी सीमा के पास एक बड़ा बाँध बना रहा है जिससे उसके अपने किसानों को पानी नहीं मिलेगा। ऐसे में एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन क्या भूमिका निभा सकता है?

› अंतर्राष्ट्रीय संगठन 'अ' और 'ब' दोनों देशों को बातचीत के लिए एक मंच (platform) प्रदान करेगा।

› संगठन दोनों देशों के प्रतिनिधियों को एक साथ बिठाकर उनकी शिकायतें और चिंताओं को सुनेगा।

› संगठन के विशेषज्ञ बाँध के पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों का निष्पक्ष अध्ययन करेंगे।

› संगठन दोनों देशों के बीच एक ऐसा समझौता करवाने की कोशिश करेगा जिससे दोनों को उचित पानी मिले और कोई युद्ध की स्थिति न बने।

उत्तर – अंतर्राष्ट्रीय संगठन, बातचीत और मध्यस्थता (mediation) के ज़रिए, दोनों देशों के बीच एक शांतिपूर्ण और न्यायसंगत समाधान खोजने में मदद करेगा, जिससे जल विवाद बिना युद्ध के हल हो जाए।

उदाहरण 2. IMF और विश्व बैंक की वैश्विक अर्थव्यवस्था में भूमिका पर संक्षेप में चर्चा करें।

› पहला बिंदु, हम बताएंगे कि IMF कैसे 'global financial stability' बनाए रखने में मदद करता है। जब किसी देश की अर्थव्यवस्था में गड़बड़ होती है, जैसे 'balance of payments crisis' (जब देश का आयात निर्यात से ज़्यादा हो जाए), तो IMF उसे 'short-term financial assistance' देता है।

› दूसरा बिंदु, हम विश्व बैंक की भूमिका देखेंगे। विश्व बैंक खास तौर पर 'developing countries' (विकासशील देशों) को 'poverty reduction' और 'sustainable development' के लिए 'long-term loans and grants' देता है। ये पैसे अक्सर 'infrastructure projects' (बुनियादी ढाँचा परियोजनाएँ) जैसे स्कूल, अस्पताल और सड़कों के लिए होते हैं।

› तीसरा बिंदु, दोनों मिलकर कैसे काम करते हैं। IMF 'macroeconomic policies' पर सलाह देता है, जबकि विश्व बैंक 'specific projects and structural reforms' पर ध्यान देता है। दोनों का लक्ष्य 'global economic well-being' यानी वैश्विक आर्थिक भलाई है।

› चौथा बिंदु, इन दोनों संगठनों में 'voting power' का वितरण कैसे होता है। IMF में 'developed countries' का ज़्यादा प्रभाव है, खासकर अमेरिका का, जैसा कि हमने अभी देखा। विश्व बैंक में भी कुछ ऐसा ही पैटर्न देखने को मिलता है।

उत्तर – IMF वैश्विक वित्तीय स्थिरता बनाए रखता है, देशों को अल्पकालिक वित्तीय सहायता और तकनीकी सलाह देता है, जबकि विश्व बैंक विकासशील देशों को गरीबी कम करने और स्थायी विकास के लिए दीर्घकालिक ऋण व अनुदान प्रदान करता है। दोनों मिलकर वैश्विक आर्थिक कल्याण में योगदान करते हैं, लेकिन इनमें विकसित देशों, विशेषकर अमेरिका का प्रभुत्व रहता है।

उदाहरण 3. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्रसंघ की स्थापना के पीछे मुख्य कारण क्या थे?

› सबसे पहले, यह समझना ज़रूरी है कि 'पहला विश्व युद्ध' और फिर 'दूसरा विश्व युद्ध' कितने विनाशकारी थे। इसमें करोड़ों लोग मारे गए थे।

› पहले विश्व युद्ध के बाद 'लीग ऑफ नेशंस' बना था, लेकिन यह "failed to prevent the Second World War" – मतलब यह दूसरे विश्व युद्ध को रोक नहीं पाया।

› दूसरे विश्व युद्ध की भयंकरता ने दुनिया को मजबूर किया कि अब एक ऐसा मज़बूत संगठन बने जो 'भविष्य में युद्धों को रोक सके' और "to promote peace and security" – यानी शांति और सुरक्षा को बढ़ावा दे।

उत्तर – द्वितीय विश्व युद्ध के बाद दुनिया को लगा कि आपसी झगड़े और युद्ध रोकने के लिए एक बहुत मजबूत अंतर्राष्ट्रीय संगठन की ज़रूरत है, क्योंकि 'लीग ऑफ नेशंस' नाकाम रहा था। इसी कारण संयुक्त राष्ट्रसंघ की स्थापना हुई ताकि भविष्य में ऐसा विनाशकारी युद्ध दोबारा न हो।

उदाहरण 4. संयुक्त राष्ट्रसंघ के किन्हीं दो प्रमुख अंगों के नाम और उनके मुख्य कार्य बताओ।

› पहला मुख्य अंग है 'General Assembly' यानी आम सभा। इसमें संयुक्त राष्ट्रसंघ के सभी '193 member states' यानी 193 सदस्य देश शामिल हैं। 'Each member has one vote' - हर सदस्य को एक वोट देने का अधिकार है। इसका मुख्य काम 'discussion and decision-making on international issues' - अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करना और निर्णय लेना है।

› दूसरा मुख्य अंग है 'Security Council' यानी सुरक्षा परिषद्। यह सबसे 'powerful organ' माना जाता है। इसमें '15 members' - 15 सदस्य होते हैं, जिनमें 'five permanent members' - पाँच स्थायी सदस्य (अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस और चीन) होते हैं जिनके पास 'Veto power' यानी वीटो का अधिकार होता है। बाकी 'ten non-permanent members' - 10 अस्थायी सदस्य 'General Assembly' द्वारा 2 साल के लिए चुने जाते हैं। इसका मुख्य काम 'maintaining international peace and security' - अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना है।

उत्तर – संयुक्त राष्ट्रसंघ के दो प्रमुख अंग आम सभा (General Assembly) और सुरक्षा परिषद् (Security Council) हैं। आम सभा सभी सदस्य देशों की प्रतिनिधित्व करती है और मुद्दों पर चर्चा करती है, जबकि सुरक्षा परिषद् अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए निर्णय लेती है।

उदाहरण 5. संयुक्त राष्ट्रसंघ के महासचिव के तीन मुख्य योगदान बताइए।

› पहला योगदान है 'diplomacy' और 'conflict resolution' में – वो विभिन्न देशों के बीच बातचीत और शांति स्थापित करने में मदद करते हैं।

› दूसरा योगदान है 'promoting human rights' और 'development' – वो दुनिया भर में मानवाधिकारों और विकास को बढ़ावा देने के लिए काम करते हैं।

› तीसरा योगदान है 'representing the UN globally' – वो संयुक्त राष्ट्रसंघ का चेहरा होते हैं और दुनिया के सामने इसकी 'values' और 'goals' को प्रस्तुत करते हैं।

उत्तर – महासचिव कूटनीति, संघर्ष समाधान, मानवाधिकारों और विकास को बढ़ावा देने, और वैश्विक स्तर पर संयुक्त राष्ट्रसंघ का प्रतिनिधित्व करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

उदाहरण 6. शीत युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्रसंघ में सुधार की आवश्यकता क्यों महसूस हुई? कोई तीन मुख्य कारण बताइए।

› पहला कारण: 'The disintegration of the Soviet Union' – सोवियत संघ का विघटन हो गया, जिससे दुनिया में शक्ति संतुलन बदल गया। अब सिर्फ एक महाशक्ति, अमेरिका, बच गई थी।

› दूसरा कारण: 'The rise of new powers like China and India' – चीन और भारत जैसी नई शक्तियां तेज़ी से उभरने लगी थीं, जिनकी आवाज़ को संयुक्त राष्ट्र में सही प्रतिनिधित्व मिलना ज़रूरी था।

› तीसरा कारण: 'New global challenges' – दुनिया के सामने आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, महामारियां जैसी बिल्कुल नई चुनौतियां आ गई थीं, जिनके लिए संयुक्त राष्ट्र के पुराने ढांचे में बदलाव की ज़रूरत थी ताकि वह इनका सामना कर सके।

उत्तर – शीत युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्रसंघ में सुधार की आवश्यकता इसलिए महसूस हुई क्योंकि सोवियत संघ का विघटन हो गया, अमेरिका का प्रभुत्व बढ़ गया, और दुनिया के सामने आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन जैसी नई चुनौतियाँ आ गईं। इन बदलावों के कारण संयुक्त राष्ट्र को आज की दुनिया के अनुरूप और अधिक प्रभावी बनाने के लिए उसकी संरचना और कार्यप्रणाली में सुधार की मांग उठी।

उदाहरण 7. यदि भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् का स्थायी सदस्य बनना चाहता है, तो उसे सुझाए गए मानदंडों के अनुसार किन मुख्य बातों पर ध्यान देना होगा?

› पहला कदम: हमें देखना होगा कि भारत की आर्थिक ताकत 'large economic power' है या नहीं। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, जो इस मानदंड को पूरा करता है।

› दूसरा कदम: फिर हमें 'large military power' को देखना होगा। भारत के पास दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेना है, जो सैन्य शक्ति के मानदंड को भी पूरा करती है।

› तीसरा कदम: अगला मानदंड है 'contribution to the UN budget'। भारत संयुक्त राष्ट्रसंघ के बजट में 0.8% का योगदान करता है, जो दुनिया के शीर्ष 25 योगदानकर्ताओं में से एक है।

› चौथा कदम: 'large nation in terms of population' - भारत दुनिया में दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश है,

जो इसे इस मानदंड पर भी मजबूत बनाता है।

› पांचवां कदम: और क्या भारत 'respects democracy and human rights'? भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और मानवाधिकारों के सम्मान का एक लंबा इतिहास है।

› छठा कदम: अंत में, 'representing world's diversity' - भारत अपनी भौगोलिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विविधता के कारण वैश्विक विविधता का एक अच्छा उदाहरण है। इन सभी मानदंडों को देखते हुए, भारत की दावेदारी बहुत मजबूत है।

उत्तर – भारत को अपनी आर्थिक और सैन्य शक्ति, संयुक्त राष्ट्रसंघ के बजट में योगदान, विशाल जनसंख्या, मजबूत लोकतांत्रिक मूल्य और वैश्विक विविधता का प्रतिनिधित्व करने की क्षमता पर ध्यान देना होगा। इन सभी पहलुओं में भारत एक मजबूत दावेदार है।

उदाहरण 8. संयुक्त राष्ट्रसंघ द्वारा 2005 में लिए गए किन्हीं तीन प्रमुख सुधारों का उल्लेख कीजिए।

› पहला सुधार है 'शांति संस्थापक आयोग का गठन'। यह आयोग उन जगहों पर शांति बनाए रखने और 'Reconstruction' में मदद करता है जहाँ हाल ही में संघर्ष खत्म हुआ हो।

› दूसरा महत्वपूर्ण सुधार 'मानवाधिकार परिषद् की स्थापना' था। इसका मुख्य उद्देश्य दुनिया भर में मानवाधिकारों को 'Promote' करना और उनकी 'Protection' करना है।

› तीसरा सुधार 'आतंकवाद की हर रूप में निंदा' करना था। संयुक्त राष्ट्र ने 'Clearly' कहा कि वह किसी भी तरह के आतंकवाद का 'Support' नहीं करता।

उत्तर – संयुक्त राष्ट्रसंघ द्वारा 2005 में किए गए तीन प्रमुख सुधार हैं: शांति संस्थापक आयोग का गठन, मानवाधिकार परिषद् की स्थापना, और हर रूप में आतंकवाद की निंदा।

उदाहरण 9. विश्व व्यापार संगठन (WTO) और अंतर्राष्ट्रीय आण्विक ऊर्जा एजेंसी (IAEA) के मुख्य उद्देश्यों में क्या अंतर है?

› पहले WTO के उद्देश्य को समझें: WTO का मुख्य उद्देश्य देशों के बीच वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को सुचारु, मुक्त और अनुमानित बनाना है। यह व्यापार बाधाओं को कम करके और समान नियमों को बढ़ावा देकर ऐसा करता है।

› अब IAEA के उद्देश्य को समझें: IAEA का मुख्य उद्देश्य परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देना और यह सुनिश्चित करना है कि परमाणु तकनीक का उपयोग सैन्य उद्देश्यों, विशेष रूप से परमाणु हथियार बनाने के लिए न किया जाए। यह परमाणु सुविधाओं का निरीक्षण करता है।

› दोनों के उद्देश्यों की तुलना करें: WTO का 'focus' आर्थिक व्यापार पर है, जबकि IAEA का 'focus' परमाणु सुरक्षा और हथियारों के अप्रसार पर है। WTO व्यापार नियम बनाता है, IAEA परमाणु निगरानी करता है।

उत्तर – WTO वैश्विक व्यापार नियमों को तय कर व्यापार को आसान बनाता है, जबकि IAEA परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देता है और परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकता है।

उदाहरण 10. संयुक्त राष्ट्रसंघ सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता की दावेदारी के मुख्य तर्कों का विश्लेषण करें।

› पहला तर्क है भारत की विशाल आबादी। 'भारत विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाला देश है', और 'विश्व की कुल जनसंख्या का 1/5वाँ हिस्सा' भारत में रहता है।

› दूसरा महत्वपूर्ण तर्क है 'भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्रा है'। इतने बड़े लोकतंत्र को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिनिधित्व मिलना ज़रूरी है।

› तीसरा तर्क है कि भारत 'संयुक्त राष्ट्रसंघ की लगभग सभी पहलकदमियों में भाग लिया है' और 'शांति बहाल करने के प्रयासों में भारत लंबे समय से ठोस भूमिका निभाता आ रहा है'।

› चौथा तर्क है भारत की बढ़ती आर्थिक शक्ति। 'भारत तेजी से अंतर्राष्ट्रीय फलक पर आर्थिक-शक्ति बनकर उभर रहा है'।

› आखिरी तर्क यह भी है कि भारत 'संयुक्त राष्ट्रसंघ के बजट में नियमित रूप से अपना योगदान दिया है' और कभी अपने भुगतान में चुका नहीं है।

उत्तर – भारत अपनी विशाल आबादी, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने, संयुक्त राष्ट्रसंघ के शांति अभियानों में लगातार योगदान देने, एक उभरती हुई आर्थिक शक्ति होने, और संयुक्त राष्ट्रसंघ के बजट में नियमित योगदान देने के आधार पर स्थायी सदस्यता का दावा करता है।

उदाहरण 11. एक-ध्रुवीय विश्व में संयुक्त राष्ट्रसंघ की भूमिका को समझाते हुए, दो मुख्य कारण बताइए कि क्यों अमेरिका UN पर भारी पड़ता है, और UN फिर भी क्यों महत्वपूर्ण है?

› पहला, हमें यह समझना होगा कि 'एक-ध्रुवीय विश्व' का मतलब क्या है। यह सोवियत संघ के विघटन के बाद अमेरिकी वर्चस्व को संदर्भित करता है।

› दूसरा, अमेरिका के UN पर भारी पड़ने के कारणों को पहचानें: 'सोवियत संघ की गैर मौजूदगी में अब अमरीका एकमात्रा महाशक्ति है', उसकी बेजोड़ 'सैन्य और आर्थिक ताकत' उसे किसी भी अंतर्राष्ट्रीय संगठन की अनदेखी करने की शक्ति देती है।

› तीसरा, UN के भीतर अमेरिकी प्रभाव को भी देखना होगा: 'संयुक्त राष्ट्रसंघ वेफ बजट में सबसे श्यादा योगदान' और उसका 'वीटो' शक्ति उसे किसी भी प्रस्ताव को रोकने की क्षमता देती है।

› चौथा, फिर भी UN क्यों महत्वपूर्ण है, यह समझें: भले ही वह सीधा अंकुश न लगा पाए, 'संयुक्त राष्ट्रसंघ अमरीका और शेष विश्व वेफ बीच विभिन्न मसलों पर बातचीत कायम कर सकता है' और 'अमरीकी रवैये और नीतियों पर वुफछ अंवुफश लगाया जा सकता है' जहाँ 'कोई बीच का रास्ता निकालने तथा रियायत देने की बात कही-सोची जा सके'।

› पांचवा, निष्कर्ष निकालें कि UN भले ही सीमित हो, पर वह वैश्विक संवाद और सहयोग के लिए एक आवश्यक मंच है, 'इसके बिना दुनिया और बदहाल होगी'।

उत्तर – एक-ध्रुवीय विश्व में अमेरिका की सैन्य और आर्थिक ताकत उसे UN की अनदेखी करने की क्षमता देती है, और UN के बजट में सबसे बड़े योगदान तथा वीटो शक्ति के कारण उसका UN में भी गहरा प्रभाव है। इसके बावजूद, UN महत्वपूर्ण है क्योंकि यह अमेरिका और शेष विश्व के बीच बातचीत का मंच प्रदान करता है, जिससे अमेरिकी नीतियों की आलोचना हो सकती है और संभावित रूप से बीच का रास्ता निकालने या रियायत देने की गुंजाइश बनती है।

उदाहरण 12. एमनेस्टी इंटरनेशनल और ह्यूमन राइट्स वॉच जैसे संगठन मानवाधिकारों की रक्षा में कैसे मदद करते हैं?

› पहला, ये संगठन दुनिया भर में मानवाधिकारों के 'उल्लंघनों' की जानकारी 'इकट्ठा' करते हैं।

› दूसरा, ये 'रिपोर्ट' जारी करते हैं और 'मीडिया' का ध्यान खींचते हैं, ताकि जनता और सरकारें जागरूक हों।

› तीसरा, ये सरकारों पर 'दबाव' डालते हैं और 'अभियान' चलाते हैं (जैसे बाल मज़दूरी रोकने के लिए), जिससे नीतियों में बदलाव आए।

उत्तर – ये संगठन सूचना, जागरूकता और दबाव के ज़रिए मानवाधिकारों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर इस पर 'अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की भूमिका' या 'उनकी आवश्यकता' पर सीधा प्रश्न आता है।

• IMF और वशि्व बैंक के कार्यों में अंतर और 'voting power' के वतिरण पर प्रश्न बोर्ड परीक्षाओं में अक्सर पूछे जाते हैं। इन बिंदुओं पर खास ध्यान देना।

• संयुक्त राष्ट्रसंघ की स्थापना की तिथि (24 अक्टूबर 1945) और उसके मुख्य उद्देश्य अक्सर बोर्ड परीक्षा में सीधे-सीधे पूछे जाते हैं।

• बोर्ड परीक्षा में, संयुक्त राष्ट्रसंघ के प्रमुख अंगों के नाम और उनके मुख्य कार्यों को विस्तार से लिखने का प्रश्न अक्सर आता है। 'Security Council' के स्थायी सदस्यों के नाम और 'Veto power' को ज़रूर याद रखना।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर इस पर 'सुरक्षा परिषद् में सुधार की आवश्यकता' या 'नए स्थायी सदस्य के लिए मानदंड' पर सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं। वीटो पावर से जुड़े तर्क और चुनौतियाँ भी एक अहम सवाल है।

• यह टॉपिक बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसमें 'Peacebuilding Commission', 'Human Rights Council' और 'R2P' के बारे में सीधा प्रश्न आ सकता है, इसलिए इन तीनों को अच्छे से याद रखना।

• इन दोनों संगठनों के 'full forms' और उनके 'मुख्य उद्देश्य' बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। अंतर स्पष्ट करने वाले प्रश्न अक्सर आते हैं।

• यह प्रश्न बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसमें भारत के 'दावेदारी के तर्क' और 'चुनौतियाँ' दोनों को स्पष्ट रूप से लिखें ताकि आपको पूरे अंक मिल सकें।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है। खासकर, अमेरिका के UN पर प्रभाव के कारण और फिर भी UN की प्रासंगिकता पर केंद्रित प्रश्न आते हैं। इन बिंदुओं को अच्छे से समझकर लिखिए।

एक नज़र में रिवीज़न

› अंतर्राष्ट्रीय संगठन: शांति, सहयोग, वैश्विक समस्याओं का मिलकर समाधान।

› IMF वैश्विक वित्त, विश्व बैंक दीर्घकालिक विकास; दोनों में बड़े देशों का प्रभुत्व।

› संयुक्त राष्ट्रसंघ (UN) की स्थापना 1945 में, दूसरे विश्व युद्ध के बाद, विश्व शांति के लिए हुई।

› UN के मुख्य अंग: आम सभा, सुरक्षा परिषद्, ECOSOC, अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय, सचिवालय।

› UN सुरक्षा परिषद सुधार: प्रतिनिधित्व, वीटो शक्ति, नए सदस्य मानदंड।

› 2005 में UN की 60वीं वर्षगाँठ: शांति आयोग, मानवाधिकार परिषद, R2P, आतंकवाद की निंदा।

› WTO: वैश्विक व्यापार नियम; IAEA: परमाणु ऊर्जा का शांतिपूर्ण उपयोग, प्रसार रोकना।

› भारत संयुक्त राष्ट्रसंघ में सुधार और सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता का दावेदार।

› एक-ध्रुवीय विश्व में UN, अमेरिका की शक्ति को सीधे नियंत्रित करने में सीमित, पर संवाद का मंच।